



बाप ने बेटी को रखैल बना कर चोदा-4

“बेटी की चूत से पानी निकल गया, ऑर्गस्म होने के बाद एकदम शांत पापा की बांहों में आ गयी. उसकी धड़कनें बहुत ज़ोर से चल रही थी और साँसें भी कंट्रोल के बाहर थी। ...”

Story By: Rakesh Singh (Rakesh1999)

Posted: Friday, June 28th, 2019

Categories: [बाप बेटी की चुदाई](#)

Online version: [बाप ने बेटी को रखैल बना कर चोदा-4](#)

बाप ने बेटी को रखैल बना कर चोदा-4

❓ यह कहानी सुनें

दूसरे दिन भी जब मिशाली बैंक चली गयी, तब मुकुल राय परीशा को अपनी बांहों में भर लिया और दोनों चुदाई में वयस्त हो गए। उसके बाद परीशा कॉलेज चली गयी, मुकुल ऑफिस.

फिर दोपहर बाद परीशा घर आ गयी और मुकुल भी बहाने से छुट्टी लेकर आ गया. दोनों साथ में ही नहाये जहाँ बाथरूम में ही मुकुल राय ने परीशा की जबरदस्त चुदाई की।

इस चुदाई से परीशा बहुत गर्म हो गयी तो बोली- पापा कल आप ऑफिस से छुट्टी ले लेना। कल हम दिन भर साथ रहेंगे। कल मेरा जन्मदिन है, मैं आपको एक सरप्राइज़ गिफ्ट देने वाली हूँ।

मुकुल राय बहुत खुश होता है और परीशा को बाथरूम में ही दोबारा कुतिया बना के पेलने लगता है। परीशा भी अपनी गांड पीछे करके अपने पापा के हर धक्के का जबाब देने लगती है।

आधे घंटे की चुदाई के बाद मुकुल राय अपना सारा माल अपनी कमसिन बेटी के मुँह में भर देता है जिसे परीशा चाट जाती है.

फिर दोनों बाप बेटी फ्रेश होकर बाहर आ जाते हैं।

अगले दिन मिशाली परीशा को जन्मदिवस की मुबारकबाद देकर बैंक चली जाती है।

मिशाली के बैंक जाने के बाद परीशा मुकुल राय के रूम में सिर्फ ब्रा और पेंटी में आकर बेड पर लेट जाती है। मुकुल राय भी अपने कपड़े उतारकर सिर्फ अंडरवियर में आता है और वो

परीशा के बिल्कुल करीब आता है।

मुकुल राय परीशा की पैंटी में हाथ डालते हुए- अरे बेटी, तेरी चूत तो अभी सूखी है ; मैं इसे 5 मिनट में गीली कर दूँगा।

परीशा- अगर नहीं कर पाये तो ?

मुकुल राय- कर दिया तो मैं जो कहूँगा तुझे करना होगा. अगर नहीं किया तो तू जो कहेगी ; मैं करूँगा ... प्रोमिस!

परीशा- प्रोमिस.

वैसे मुकुल राय मंझा हुआ खिलाड़ी था। इसकी दो वजह थी एक तो उसका हथियार काफ़ी दमदार था और दूसरा वो बहुत संयम से काम लेता था किसी भी परिस्थिति में वो विचलित नहीं होता था। इसलिए उसे पूरा विश्वास था कि वो हर हाल में बाज़ी ज़रूर जीत जाएगा।

हालांकि परीशा की रगों में भी उसका ही खून था मगर परीशा इन सब मामलों में एक्सपर्ट नहीं थी। उसने तो अपनी ज़िंदगी में बस अपने पापा के साथ सेक्स किया था। इस वजह से उसे सेक्स के बारे में ज्यादा पता नहीं था।

मुकुल राय एकदम धीरे से परीशा के पीछे आता है और और उसके कंधे पर अपने लब रखकर एक प्यारा सा किस करता है. और अपने दोनों हाथों को धीरे से बढ़ाकर परीशा के दोनों बूब्स को धीरे धीरे मसलना शुरू कर देता है। परीशा मदहोशी में अपनी आँखें बंद कर लेती है और उसके मुँह से सिसकारी निकल जाती है।

मुकुल राय फिर अपने होंठ परीशा के पीठ पर रखकर फिर से उसी अंदाज़ में हौले हौले चाटना शुरू करता है. परीशा की पैंटी पूरी भीग चुकी थी। वो तो बड़े मुश्किल से अपने आप को संभालने की नाकाम कोशिश कर रही थी.

परीशा- पापा बस भी करो ; मुझे कुछ हो रहा है ।

मुकुल- क्या हो रहा है बता ना ? क्या तेरी चूत गीली हो गयी है ? हां शायद यही वजह है .
और इतना कहकर मुकुल राय एक पल में अपना हाथ नीचे ले जा कर परीशा की चूत को अपनी मुट्ठी में थाम लेता है । परीशा के मुख से एक तेज़ सिसकारी निकल पड़ती है ।

फिर धीरे धीरे वो अपना हाथ परीशा की पैंटी के अंदर सरका देता है और उसके क्लिट को अपनी उंगली से मसलने लगता है . परीशा एकदम से बेचैन हो जाती है और जवाब में वो अपना लिप्स को अपने पापा के लिप्स पर रखकर उसे चूसने लगती है ।

एक हाथ से मुकुल राय परीशा के बूब्स को मसल रहा था और दूसरे हाथों से वो परीशा की चूत को सहला रहा था . परीशा उसके लिप्स को चूस रही थी ।

माहौल पूरा आग लगा देने वाला था . थोड़ी देर में मुकुल राय का हाथ पूरा गीला हो जाता है ।

परीशा- पापा ... अब बस भी करो मुझसे अब बरदाश्त नहीं हो रहा . आप जीत गये ।

मुकुल राय- अरे मेरी जान ... तूने इतनी जल्दी कैसे हार मान ली । अभी तो शुरूआत है ।
देखना आगे आगे मैं क्या करता हूँ ।

इतना बोलकर मुकुल राय अपने दोनों हाथ परीशा की पीठ पर रखकर उसकी ब्रा का स्ट्रिप्स को खोल देता है और अगले पल परीशा झट से अपने गिरते हुए ब्रा को दोनों हाथों से थाम लेती है ।

मुकुल राय अगले पल परीशा के ब्रा को पकड़कर उसके बदन से अलग कर देता है और परीशा भी कोई विरोध नहीं कर पाती . बस अपनी नज़रें नीची करके अपनी गर्दन झुका लेती है ।

मुकुल राय भी झट से परीशा के सामने आता है और वो परीशा के बूब्स को देखने लगता है। फिर वो अपना लिप्स को परीशा के निपल्स पर रखकर उसे एकदम हौले हौले चूसने लगता है। ना चाहते हुए भी परीशा अपने पापा की हरकतों को इन्कार नहीं कर पाती और वो अपना एक हाथ अपने पापा के बालों पर फिराने लगती है।

मुकुल राय- परीशा बेटा, तुम्हारे ये दूध कितने मस्त हैं। जी तो करता है इन्हें ऐसे ही चूसता रहूँ, निप्पलों को काट लूँ।

परीशा- तो चूसो ना पापा ... मैंने कब मना किया है। जब तक आपका मन नहीं भरता आप ऐसे ही इन्हें चूसते रहो, काटते रहो।

फिर मुकुल राय एक हाथ से उसके निप्पल को अपनी उंगली में मसलने लगता है और दूसरी तरफ वो अपना मुँह लगाकर परीशा के बूब्स पीने लगता है। परीशा को तो लगता है कि अब उसकी जान निकल जाएगी।

मुकुल राय सब कुछ एकदम आराम से कर रहा था। उसे किसी भी चीज़ की जल्दी नहीं थी और वो जानता भी था कि ऐसे कुछ देर में परीशा का भी संयम जवाब दे देगा और वो सब कुछ करेगी जो वो चाहता है।

करीब 10 मिनट के बाद आखिर परीशा का सब्र टूट जाता है और वो तुरंत अपना हाथ आगे बढ़ाकर मुकुल राय का लंड थाम लेती है, उसे अपने नाज़ुक हाथों से मसलने लगती है। मुकुल राय यह देखकर मुस्कुरा देता है और अपना अंडरवियर उतारने लगता है। कुछ पल में वो एकदम नंगा उसके सामने हो जाता है।

परीशा एकटक अपने पापा के लंड को देखने लगती है। परीशा को ऐसे देखता पाकर मुकुल राय भी अपना लंड उसके सामने कर देता है।

मुकुल राय- ऐसे क्या देख रही है बेटा ? सिर्फ देखती रहोगी क्या ?

परीशा अपना थूक निगलते हुए- पापा, अब तो ये काफी बड़ा हो गया है।

फिर मुकुल राय परीशा को बिस्तर पर सीधा लेटा देता है और उसकी पैंटी भी सरका कर उसे पूरी नंगी कर देता है।

अब परीशा की चूत अपने पापा के सामने बे-परदा थी।

फिर मुकुल राय उसकी गर्दन पर अच्छे से अपनी जीभ फिराता है और एक हाथ से उसके बूब्स को कस कर मसलने लगता है. दूसरी उंगली उसकी चूत पर फिराने लगता है और अपना जीभ से उसके दूसरे निपल्स को चूसने लगता है। फिर धीरे धीरे नीचे आते हुए अपनी जीभ से परीशा की चूत को चूसने लगता है।

अब परीशा का सब्र जवाब दे देता है और वो ना चाहते हुए भी चीख पड़ती है- बस ... पापा ... आज .. मेरी ... जान लोगे क्या ? मैं ... मर जाऊँगी ... आह !

इतना कहते कहते उसकी चूत से उसका पानी निकलना शुरू हो जाता है और परीशा का ऑर्गस्म हो जाता है. वो वही एकदम शांत होकर अपने पापा की बांहों में पड़ी रहती है, उसकी धड़कनें बहुत जोर जोर से चल रही थी और साँसें भी कंट्रोल के बाहर थी।

बड़ी मुश्किल से वो अपनी साँसों को कंट्रोल करती है और अपनी आँखें बंद करके अपने पापा के लबों को चूम लेती है.

मुकुल राय- बेटी अब तेरी बारी है। चल अब तू मेरी प्यास को शांत कर !

इतना बोलकर मुकुल राय अपना लंड परीशा के मुँह के एकदम करीब रख देता है। परीशा बड़े गौर से मुकुल राय के लंड को देखने लगती है। फिर अपनी जीभ निकालकर धीरे से उसके लंड का सुपारा नीचे से ऊपर तक चाटने लगती है।

मुकुल राय के मुँह से सिसकारी निकल पड़ती है।

फिर वो परीशा के सर के बालों को खोल देता है और अपना हाथ परीशा के सर पर फिराने लगता है।

धीरे धीरे परीशा मुकुल राय के लंड पर अपना जीभ फिराती है। अचानक मुकुल राय को ना जाने क्या सूझता है ... वो तुरंत परीशा के मुँह से अपना लंड बाहर निकाल लेता है।

परीशा हैरत भरी नज़रों से अपने पापा को देखने लगती है. मुकुल राय उठकर रसोई में चला जाता है और थोड़ी देर के बाद वो एक शहद की शीशी लेकर वापस आता है।

शहद की शीशी को देखकर परीशा के चेहरे पर मुस्कान तैर जाती है, वो भी अपने पापा का मतलब समझ जाती है।

मुकुल राय फिर शहद की शीशी को खोलता है और उसे अपने लंड पर अच्छे से लगा देता है। मुकुल का लंड बिल्कुल लाल रंग में दिखाई देने लगता है.

फिर वो परीशा के तरफ बड़े प्यार से देखने लगता है। परीशा मुस्कुरा कर आगे बढ़ती है और अपना मुँह खोलकर शहद से लिपटे अपने पापा के लंड को धीरे धीरे चूसना शुरू करती है। एक तरफ लंड रस का नमकीन स्वाद और एक तरफ शहद का स्वाद दोनों का टेस्ट कुल मिलकर बड़ा अद्भुत था।

थोड़ी देर के बाद परीशा अपने पापा के लंड पर का पूरा शहद चाट कर सॉफ कर देती है।

मुकुल राय- बेटा, एक बार मेरा लंड को पूरा अपने मुँह में लेकर चूसो ना। तुझे भी बहुत मज़ा आएगा।

परीशा- पापा आपका दिमाग तो नहीं खराब हो गया। भला इतना बड़ा लंड पूरा मेरे मुँह में कैसे जाएगा। नहीं मैं इसे पूरा अपने मुँह में नहीं ले पाऊँगी।

मुकुल राय- क्या तू मेरे लिए इतना भी नहीं कर सकती। मैं जानता हूँ बोलने और करने में बहुत फर्क होता है। ठीक है मैं तुझसे ज़बरदस्ती नहीं करूँगा। आगे तेरी मज़ी !

और मुकुल राय के चेहरे पर मायूसी छा जाती है। अपने पापा को ऐसे मायूस देखकर परीशा तुरंत अपना इरादा बदल लेती है।

परीशा- क्यों नाराज़ होते हो पापा ... मेरा कहने का ये मतलब नहीं था। मैं तो बस ... अच्छा फिर ठीक है अगर आपकी खुशी इसी में है तो मैं अब आपको किसी भी बात के लिए मना नहीं करूँगी। कर लो जो आपका दिल करता है। आज मैं साबित कर दूँगी कि परीशा जो बोलती है वो करती भी है।

मुकुल राय भी मुस्करा देता है और परीशा के बूँस को पूरी ताकत से मसल देता है। परीशा के मुख से एक तेज़ सिसकारी निकल जाती है।

मुकुल राय- मैं तो यही चाहता हूँ कि तू खुशी खुशी मेरा लंड पूरा अपने मुँह में लेकर चूसे। मैं यकीन से कहता हूँ कि तुझे भी बहुत मज़ा आएगा। हां शुरू में थोड़ी तकलीफ़ होगी फिर तू भी आसानी से इसे पूरा अपने मुँह में ले लेगी।

परीशा- जैसा आपका हुकूम सरकार ... मगर मुझे तकलीफ़ होगी तो क्या आपको अच्छा लगेगा। पापा ... बोलो ?

मुकुल राय- अगर चुदाई में तकलीफ़ ना हो तो मज़ा कैसा। पहले दर्द तो होता ही है फिर मज़ा भी बहुत आता है। बस तू मेरा पूरा साथ दे ; फिर देखना ये सारा दर्द मज़ा में बदल जाएगा।

मुकुल राय फिर शहद अपनी उंगली में लेता है और अपने टिट्स पर मलने लगता है और फिर अपने लंड के आखरी छोर पर भी पूरा शहद लगा देता है।

मुकुल राय परीशा को बेड पर लेटा देता है और उसकी गर्दन को बिस्तर के नीचे झुका देता है। परीशा को जब समझ आता है तो उसके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। वो तो सोच रही थी कि वो अपनी मर्ज़ी से पूरा लंड धीरे धीरे अपने मुँह में ले लेगी मगर यहाँ तो उसकी मर्ज़ी नहीं

बल्कि वो तो खुद अपने पापा के रहमोकरम पर थी। मगर वो अपने पापा की खुशी के लिए उसे सब मंजूर था।

मुकुल राय भी परीशा के मुँह के पास अपना लंड रख देता है और फिर परीशा की ओर देखने लगता है। परीशा भी अपनी आँखों से उसे लंड अंदर डालने का इशारा करती है। मुकुल राय परीशा के सिर को पकड़कर धीरे धीरे अपने लंड पर प्रेशर डालने लगता है और परीशा भी अपना मुँह पूरा खोल देती है।

धीरे धीरे उसका लंड परीशा के मुँह के अंदर जाने लगता है। मुकुल राय करीब 5 इंच तक परीशा के मुँह में लंड पेल देता है और फिर उसके मुँह में अपना लंड आगे पीछे करके उसके मुँह चोदने लगता है।

परीशा की गर्म साँसें उसको पल पल पागल कर रही थी। वो धीरे धीरे अपनी रफ्तार बढ़ाने लगता है और साथ साथ अपना लंड भी अंदर पेलने लगता है। परीशा की हालत धीरे धीरे खराब होनी शुरू हो जाती है।

वैसे यह परीशा का पहला था। वो अपने पापा का लंड कई बार चूस चुकी थी पर कभी अपने मुँह में पूरा नहीं ली थी इसलिए तकलीफ़ होना लाजमी था। मुकुल राय करीब 7 इंच तक परीशा के मुँह में लंड डाल देता है और परीशा की साँसें उखड़ने लगती हैं।

मुकुल राय एकटक परीशा को देखता है और फिर अपना लंड पूरा बाहर निकाल कर एक झटके में पूरा अंदर पेल देता है। लंड करीब 8 इंच से भी ज्यादा परीशा के मुँह में चला जाता है। परीशा को तो ऐसा लगता है कि अभी उसका गला फट जाएगा। उसकी आँखों से भी आँसू निकल पड़ते हैं और आँखें भी बाहर की ओर आ जाती हैं।

तकलीफ़ तो उसे बहुत हो रही थी मगर वो अपने पापा की खुशी के लिए सारी तकलीफों को घुट घुट कर पी रही थी।

फिर मुकुल एक झटके से अपना लंड बाहर निकालता है तो परीशा को कुछ राहत मिलती है मगर मुकुल राय कहाँ रुकने वाला था, वो फिर एक झटके से अपना लंड उतनी ही स्पीड से वो परीशा के मुँह में पूरा लंड पेल देता है

इस बार मुकुल राय अपना पूरा लंड परीशा के हलक तक पहुँचने में सफल हो गया था। परीशा के आँसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। उसे तो ऐसा लग रहा था कि उसका दम घुट जाएगा और वो वहीं मर जाएगी।

परीशा ऐसे ही करीब 10 सेकेंड्स तक परीशा के हलक में अपना लंड फँसाए रखता है। परीशा के मुँह से गु ... गु ... गू ... की लगातार दर्द भरी आवाज़ें निकल रही थी। जब उसकी बरदाश्त की सीमा बाहर हो गयी तो अपना दोनों हाथों से अपने पापा के पैरों पर मारने लगती है.

मुकुल राय को भी तुरंत आभास होता है और वो एक झटके से अपना पूरा लंड परीशा के हलक से बाहर निकाल देता है। परीशा वही ज़ोर ज़ोर से खांसने लगती है. वो वहीं धम्म से बिस्तर पर पसर जाती है।

मुकुल राय के लंड से एक थूक की लकीर परीशा के मुँह तक जुड़ी हुई थी। ऐसा लग रहा था कि उसके लंड से कोई धागा परीशा के मुँह तक बाँध दिया हो। वो घूर कर एक नज़र अपने पापा को देखती है।

परीशा- ये क्या पापा ... भला कोई ऐसे भी सेक्स करता है क्या ? आज तो लग रहा था कि आप मुझे मार ही डालोगे। मुझे कितनी तकलीफ़ हो रही थी आपको क्या मालूम। देखो ना अभी तक मेरा मुँह भी दर्द कर रहा है।

मुकुल राय- तू जानती नहीं है परीशा बेटी ... मेरा एक सपना था कि मैं किसी भी लड़की के मुँह में अपना पूरा लंड पेलने का। मगर आज तूने मेरा सपना पूरा कर दिया। मैंने तेरी

मम्मी के साथ बहुत सेक्स किया है मगर उसने कभी भी मेरे लंड अपने मुँह में पूरा नहीं लिया। बेटी हो तो ऐसी हो!

singh.rakesh787@gmail.com

Other stories you may be interested in

बीवी की चुदाई नकली पुलिस वालों से

दोस्तो, मैं अपनी बीवी की चुदाई की कहानी आपको बताना चाहता हूँ. कहानी शुरू करने से पहले से मैं आपको बता दूँ कि मेरी बीवी काफी सुन्दर है और एक मॉडल जैसी लगती है. उसकी इसी खूबसूरती ने उसको दो [...]

[Full Story >>>](#)

मैडम ने जिगोलो बनने का रास्ता दिखाया-1

नमस्कार पाठको ... मेरा आप सबको प्रणाम, मैं अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ. मैं फ्री टाइम में हमेशा अन्तर्वासना पे कहानी पढ़ता रहता हूँ. पॉर्न कहानी पढ़ना पॉर्न क्लिप देखने से भी ज्यादा मजेदार होता है. मैं आपको मेरी एक [...]

[Full Story >>>](#)

गांडू को मिला लंड

अन्तर्वासना के तगड़े लौड़ों को मेरी मोटी गांड की झुककर सलामी. आज मैं मेरी हाल ही में हुई चुदाई के बारे में बताने वाला हूँ. मैं फैमिली के साथ पुणे में रहता हूँ. मैं दिखने में मोटा हूँ मगर लंड [...]

[Full Story >>>](#)

जंगल में बहन ने भाई की प्यास बुझाई

दोस्तो, मेरा नाम रोमेश है, मैं छत्तीसगढ़ के बैलाडिला का रहने वाला हूँ. मेरे घर में मेरे अलावा मम्मी पापा एक छोटा भाई और बहन रहते हैं. मेरी बहन की शादी 13 महीने पहले पास ही के गाँव में हुई [...]

[Full Story >>>](#)

छोटे भाई की बीवी के साथ सुहागरात-2

मेरी हॉट सेक्स स्टोरी के पहले भाग छोटे भाई की बीवी के साथ सुहागरात-1 में अब तक आपने पढ़ा कि मेरे छोटे भाई की बीवी मुझसे चुदने के लिए एकदम राजी हो गई थी और उसने पूरी प्लानिंग भी बना [...]

[Full Story >>>](#)

